FREE PRESS JOURNAL, Mumbai, 12.5.2025

Page No. 16, Size:(24.09)cms X (21.78)cms.

GAIL signs pact to set up 1 GW renewable energy projects

NT Correspondent

BENGALURU

State-owned gas utility GAIL (India) Ltd has signed a memorandum of understanding (MoU) with the Karnataka government to explore the setting up of renewable energy projects of up to 1 gigawatt (GW) in the state.

"Under the MoU, the Government of Karnataka would facilitate GAIL to obtain necessary permissions/registrations/approvals/clearance/ incentives, etc., from the concerned departments of the state, as per the prevailing policies/rules and regulations of the state government. GAIL intends to set up renewable energy projects of up to 1 GW within a period of five years," the company said in a statement.

GAIL, however, did not disclose financial details of the project.

The company is targeting net-zero carbon emissions for its operations by 2035, and renewable energy projects are part of the plan for achieving that goal.

The MoU was signed in Bengaluru on May 9, 2025, in the presence of MB Patil, Karnataka's Minister for Large and Medium Industries and Infrastructure Development, and KJ George, Karnataka's Minister for Energy, by S Selvakumar, Principal Secretary in the state's Commerce & Industries Department, and GAIL Executive Director (SD & Renewables) Parivesh Chugh.

Speaking on the occasion, Patil said, "We welcome GAIL's strategic interest in Karnataka. This MoU reaffirms our commitment to facilitating clean energy investments while driving industrial growth. Karnataka's policy ecosystem, skilled workforce, and land availability make it a natural partner for companies focused on sustainability". "As a leader in renewable energy, Karnataka is pleased to collaborate with GAIL in achieving India's clean energy transition.

This partnership will strengthen our state's position as a green energy hub and contribute to employment generation and infrastructure development," George added.

ASIAN AGE, Delhi, 12.5.2025
Page No. 7, Size:(9.60)cms X (10.95)cms.

Indo-Pak developments to steer stock markets

Fear of full scale war led to Sensex, Nifty-50 drop 1.7% intraday Friday

RAVI RANJAN PRASAD
MUMBAI, MAY 11

Market is likely to bounce back and realign with global trends if May 10 ceasefire agreement between India and Pakistan are followed and there is no further escalation from both sides.

On last Friday, the Sensex and Nifty-50 had dropped 1.10 per cent each as operation Sindoor had led to retaliation from the Pakistan side and fear of a full scale war had led to benchmarks Sensex and Nifty-50 dropping 1.70 per cent intraday.

In last trading session, the foreign portfolio investors (FPIs) turned net sellers of equities after more than a fortnight of being net buyers which is likely to get reversed after the ceasefire announcement.

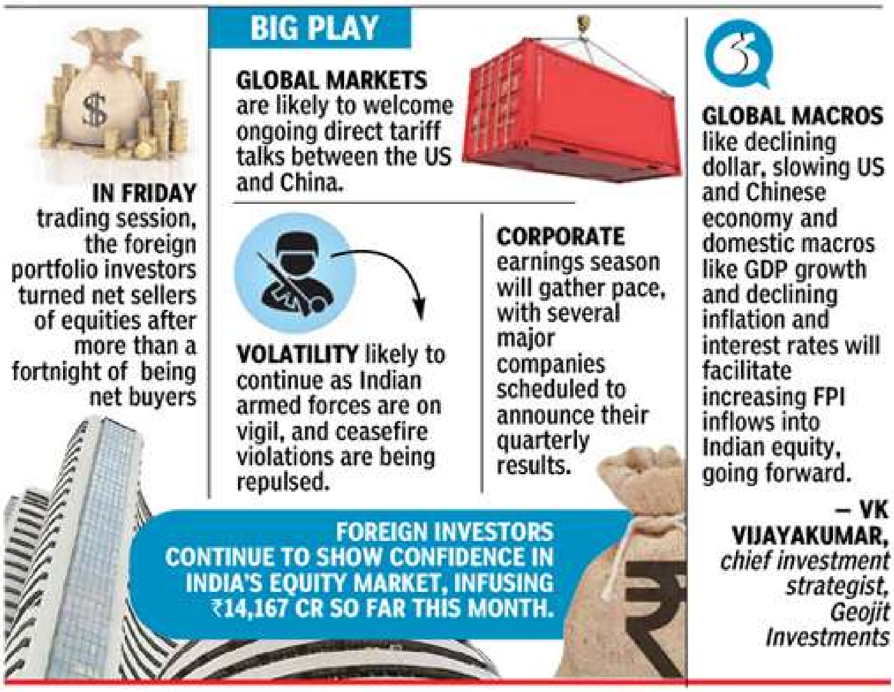

"Global macros like declining dollar, slowing US and Chinese economy and domestic macros like high gross domestic product (GDP) growth and declining inflation and interest rates will facilitate increasing FPI inflows into Indian equity, going forward," said VK Vijayakumar, chief investment strategist, Geojit Investments.

The volatility in the market is likely to continue as Indian armed forces are on vigil, and ceasefire violations are being repulsed.

Global markets are likely to welcome ongoing direct tariff talks between the US and China as officials from the two sides met during the weekend in Switzerland.

"Once the situation stabilizes, Indian markets are expected to align with global market trends," said Amit Jain, co-founder, Ashika Global Family Office Services.

"Geopolitical developments, particularly the ongoing tensions with Pakistan, will continue to remain in focus. On the macroeconomic front, investors will closely monitor the release of key data points including the consumer price index (CPI), wholesale price index (WPI), and trade figures for exports and imports," said Ajit Mishra, senior VP- Research, Religare Broking.

The corporate earnings season will gather the pace, with several major companies such as Tata Steel, Bharti Airtel, Cipla, GAIL, Hero MotoCorp, Tata Motors, Lupin, Godrej Industries, PVR Inox and BHEL scheduled to announce their quarterly results, Mishra added.

Meanwhile, foreign investors continue to show confidence in the India's equity market, infusing ₹14,167 crore so far this month, largely driven by favourable global cues and robust domestic fundamentals.

DAINIK BHASKAR, Delhi, 12.5.2025
Page No. 6, Size:(23.47)cms X (16.69)cms.

नई सुविधा • रायपुर, भिलाई समेत आठ निकायों में बीपीसीएल और गेल कंपनी लगाएगी प्लांट

800 करोड़ में लगेंगे बायो-सीएनजी प्लांट 25 साल की लीज पर देंगे 10 एकड़ जमीन

भास्कर एक्सक्लूसिव

कौशल स्वर्णबेर | रायपुर

छत्तीसगढ़ के सभी नगरीय निकायों में बायो-सीएनजी प्लांट लगाए जाएंगे। रायपुर, भिलाई समेत आठ निकायों में जमीन का चिन्हांकन किया जा चुका है। इन स्थानों पर बीपीसीएल और गेल 800 करोड़ का प्लांट लगाएंगे। कैबिनेट से अप्रूवल के बाद इन दोनों कंपनियों को एक रुपए वर्गमीटर में 10 एकड़ जमीन 25 साल की लीज पर दी जाएगी। इसके लिए नगरीय प्रशासन विभाग ने सभी जिला कलेक्टरों को चिट्ठी भेजी है।

दरअसल, पिछले महीने हुई कैबिनेट की बैठक में निर्णय लिया गया था कि प्रदेश के सभी नगरीय निकायों में जैव अपशिष्ट और खेतों से निकलने वाले अपशिष्ट के प्रसंस्करण के लिए बायो सीएनजी प्लांट स्थापित किए जाएंगे। इसके लिए रियायती लीज दर पर सरकारी जमीन दी जाएगी। इसके लिए सभी नगर निगमों को अधिकृत किया गया था। भारत में उपयोग होने वाले सीएनजी का लगभग 46 फीसदी वर्तमान में आयात किया जाता है और सरकार का लक्ष्य बायो-सीएनजी के उत्पादन और खपत के माध्यम से इस निर्भरता को कम करना है। बायो सीएनजी, जिसे बायो कंप्रेस्ड नेचुरल गैस भी कहा जाता है। इसका उपयोग मुख्य रूप से वाहनों के ईंधन और घरेलू ऊर्जा के रूप में किया जाता है। साथ ही सीएनजी वाहनों को ईंधन देने के लिए, एलपीजी के विकल्प के रूप में खाना पकाने और हीटिंग के लिए, बिजली उत्पादन के लिए, कुछ उद्योगों में हीटिंग और अन्य प्रक्रियाओं के लिए भी इसका उपयोग किया जा सकता है।

अभी 70 मिलियन टन बायो-सीएनजी उत्पादन

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय का अनुमान है कि भारत में बायो-सीएनजी उत्पादन की क्षमता लगभग 70 मिलियन मीट्रिक टन है। इसका उत्पादन बाजार की मांग के अनुरूप है, जिससे यह आर्थिक रूप से पूरी तरह व्यहारिक है।

क्या है बायोसीएनजी?

बायोसीएनजी का उत्पादन जैविक अपशिष्ट पदार्थों जैसे पशु अपशिष्ट, खाद्य अपशिष्ट और औद्योगिक कीचड़ को बायोगैस और डाइजेस्टेट में तोड़कर किया जाता है। यह प्रक्रिया एक सीलबंद, ऑक्सीजन रहित टैंक में होती है, जिसे एनारोबिक डाइजेस्टर भी कहा जाता है। फिर बायोगैस को संसाधित किया जाता है, जिससे 95 फीसदी शुद्ध मीथेन गैस प्राप्त होती है। इस प्रक्रिया से उच्च गुणवत्ता वाला सांद्रित तरल उर्वरक प्राप्त होता है।

2050 तक तीन गुना होगी तेल-गैस की खपत

यह ऊर्जा उत्पादन के लिए जैविक अपशिष्ट का उपयोग करके लैंडफिल में डाले जाने वाले ठोस अपशिष्ट से जुड़ी समस्याओं से बचने में मदद कर सकता है। देश में 2050 तक तेल और गैस की खपत तीन गुना होने की उम्मीद है। बायो-सीएनजी की मांग को पूरा करने के लिए अक्षय ऊर्जा स्रोत के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है।

प्राकृतिक गैस की जगह कर सकते हैं उपयोग

बायोमीथेन बायोसीएनजी का दूसरा नाम है। बायोमीथेन बायोमास को बायोगैस में परिवर्तित करके बनाया जाता है। बायोगैस को फिर शुद्ध करके ग्रिड-गुणवत्ता वाली गैस में बदल दिया जाता है, क्योंकि इसकी संरचना और विशेषताएं प्राकृतिक गैस के समान हैं, इसलिए इसका उपयोग कई अनुप्रयोगों में प्राकृतिक गैस के रूप में किया जा सकता है।

प्रदेश के आठ स्थानों पर जमीन का चिन्हांकन कर लिया गया है। इसके लिए जल्द ही टेंडर प्रक्रिया शुरू की जाएगी। एक महीने के भीतर ही इसका टेंडर फाइनल करने के बाद काम शुरू कर दिया जाएगा। इसके बाद निर्माण की प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

बसवराजू एस., सचिव नगरीय प्रशासन विभाग